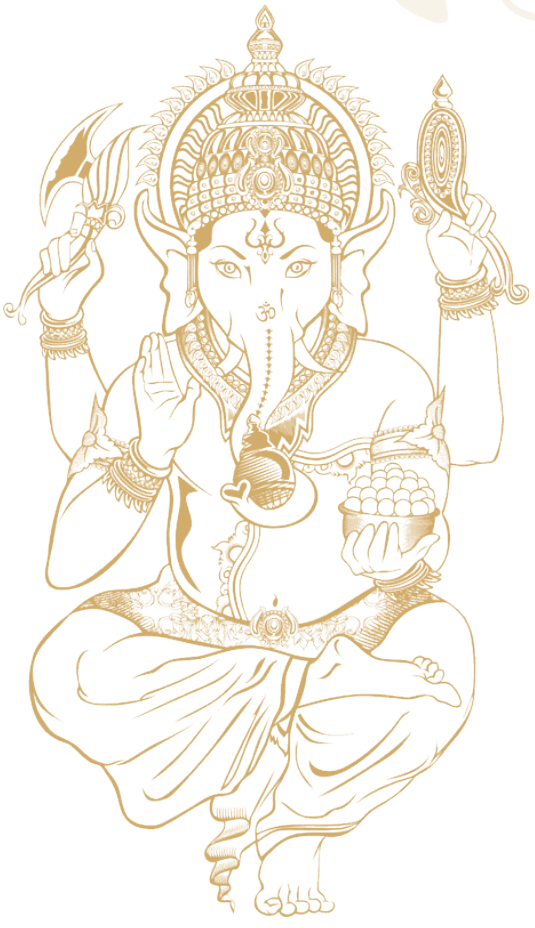

Gulab sharma

Stya Kumari

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121237003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/03/1997	जन्म तिथि	26/11/2003
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 12:25:00	जन्म समय	10:10:00 घंटे
घटी 15:40:54	जन्म समय(घटी)	09:40:47 घटी
India	देश	India
Motihari	स्थान	Riga
26:40:00 उत्तर	अक्षांश	26:40:00 उत्तर
84:55:00 पूर्व	रेखांश	85:27:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:09:40	स्थानिक संस्कार	00:11:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:08:38	सूर्योदय	06:15:33
17:54:32	सूर्यास्त	16:55:09
23:49:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:28

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 6मा 24दि	11:52:34	मिथु	लग्न	मक	03:14:06	केतु 1वर्ष 1मा 21दि
गुरु	22:55:42	कुंभ	सूर्य	वृश्चि	09:35:16	सूर्य
01/10/2019	27:57:56	मक	चंद्र	धनु	11:09:25	16/01/2025
01/10/2035	06:43:33	कन्या व	मंगल	कुंभ	24:52:08	17/01/2031
गुरु 18/11/2021	19:00:13	कुंभ	बुध	वृश्चि	26:47:46	सूर्य 06/05/2025
शनि 31/05/2024	16:20:14	मक	गुरु	सिंह	22:42:01	चन्द्र 04/11/2025
बुध 06/09/2026	16:19:22	कुंभ	शुक्र	धनु	05:02:03	मंगल 12/03/2026
केतु 13/08/2027	13:30:25	मीन	शनि व	मिथु	18:27:12	राहु 04/02/2027
शुक्र 13/04/2030	04:54:42	कन्या व	राहु व	मेष	26:32:21	गुरु 23/11/2027
सूर्य 30/01/2031	04:54:42	मीन व	केतु व	तुला	26:32:21	शनि 04/11/2028
चन्द्र 31/05/2032	13:06:38	मक	हर्ष	कुंभ	05:07:14	बुध 11/09/2029
मंगल 07/05/2033	05:19:07	मक	नेप	मक	16:49:10	केतु 17/01/2030
राहु 01/10/2035	11:47:04	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:14:43	शुक्र 17/01/2031

लग्न-चलित

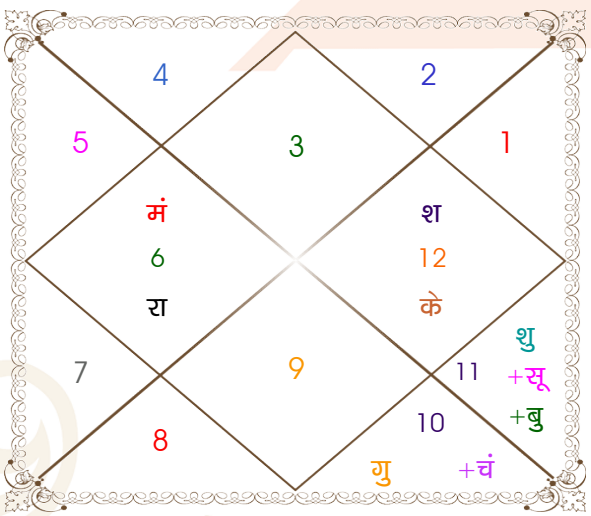

लग्न-चलित

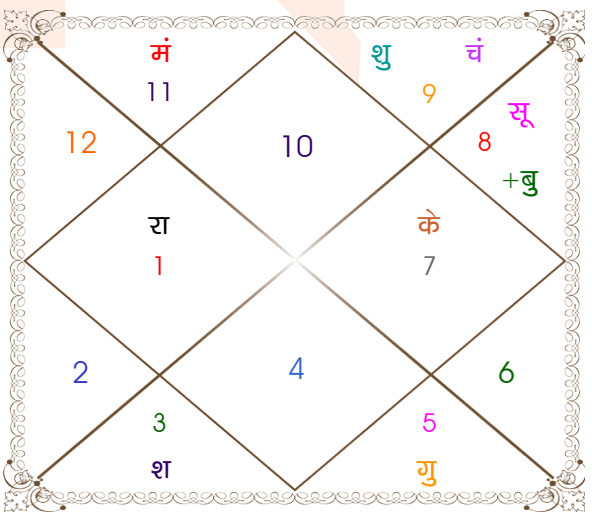

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ळनसंइ ेींतउं का वर्ग मार्जार है तथा ैजलं झ्नउंतप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळनसंइ ेींतउं और ैजलं झ्नउंतप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ळनसंइ ेींतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ळनसंइ ेींतउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ैजलं झ्नउंतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु जलं ज्ञनउंतप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि जलं ज्ञनउंतप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ळनसंइींतउं तथा जलं ज्ञनउंतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।